Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 10

विद्रोही और राज

भाग - 4

Pritesh Joshi

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संचार के माध्यम

उदाहरण :-

7वीं अवध इर्रेग्यूलर इनफैंटरी (कारतूस)
"हमनें अपने धर्म की रक्षा के लिए फैसले लिए हैं, और 48 नेटिव इंफैंटरी के हुक्म का इंतजार है"।

- विभिन्न छावनियों के सिपाहियों के बीच अच्छा संचार बना हुआ था।
- रात में सिपाहियों की पंचायतें जुड़ती थी और उनमें सामूहिक रूप से फैसले लिये जाते थे।
  ये योजनाएँ कैसे बनायी गयी?
  योजनाकार कौन थे?
- मौजूदा दस्तावेजों के आधार पर इन सवालों के सीधे सीधे जवाब देना कठिन है।

mg

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- संभवतया इस विद्रोह की योजना लंदन में बनायी गयी थी।

1. अजीमुल्ला खान – नाना साहब के सलाहकार
2. रंगो जी बापू – सतारा के राजा के सलाहकार

- क्रान्ति का प्रतीक – कमल का फूल और रोटी
- प्रारम्भ करने की तिथि – 31 मई 1857

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नेता और अनुयायी :-

- अंग्रेजों से लौहा लेने के लिए नेतृत्व और संगठन जरूरी था।
- विद्रोहियों ने ऐसे लोगों की शरण ली जो अंग्रेजों से पहले नेताओं की भूमिका निभाते थे। जिन्हें अंग्रेजों ने उखाड़ फेंका था।

जैसे - मेरठ के सिपाहियों ने दिल्ली पहुंच कर मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर को नेतृत्व स्वीकार करने के लिए मना लिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कानपुर में पेशवा बाजीराव द्वितीय के उत्तराधिकारी नाना साहब को नेता बनाया।
- झाँसी – रानी लक्ष्मीबाई
- अवध (लखनऊ) – नवाब वाजिद अली शाह के पुत्र बिरजिस कद्र और बेगम हजरत महल
- आरा (बिहार) – जमींदार कुंवर सिंह
- इन विस्थापित शासकों में से अधिकांश स्थानीय लोगों के दबाव के कारण और कुछ अपने स्वयं के उत्साह के कारण विद्रोह में शामिल हुए थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुछ अन्य स्थानों पर स्थानीय नेता या धार्मिक नेता सामने आ चुके थे।

जैसे – छोटा नागपुर स्थित सिंहभूम के एक आदिवासी काश्तकार गोनू ने कोल आदिवासियों का नेतृत्व संभाला था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अफवाहें और भविष्यवाणियाँ –

कई तरह की अफवाहों और भविष्यवाणियों के जरिए लोगों को उठ खड़ा होने के लिए उकसाया जा रहा था।

जैसे :–

1. गाय व सुअर की चर्बी का लेप लगे हुए कारतूस।
2. अंग्रेजों ने बाजार में मिलने वाले आटे में गाय और सुअर की हड्डियों का चूरा मिलवा दिया।
3. अंग्रेज हिंदुस्तानियों को ईसाई बनाना चाहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. भविष्यवाणी : प्लासी के युद्ध के 100 साल पूरे होते ही 23 जून 1857 को अंग्रेजी राज खत्म हो जायेगा।

इन अफवाहों और भविष्यवाणियों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह करने के लिए महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक कारण प्रदान किये।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अफवाहें और भविष्यवाणियाँ –

कई तरह की अफवाहों और भविष्यवाणियों के जरिए लोगों को उठ खड़ा होने के लिए उकसाया जा रहा था।

जैसे :–

1. गाय व सुअर की चर्बी का लेप लगे हुए कारतूस।
2. अंग्रेजों ने बाजार में मिलने वाले आटे में गाय और सुअर की हड्डियों का चूरा मिलवा दिया।
3. अंग्रेज हिंदुस्तानियों को ईसाई बनाना चाहते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. भविष्यवाणी : प्लासी के युद्ध के 100 साल पूरे होते ही 23 जून 1857 को अंग्रेजी राज खत्म हो जायेगा।

इन अफवाहों और भविष्यवाणियों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह करने के लिए महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक कारण प्रदान किये।

कमल - रोटी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Pg 265

1820 - लॉर्ड विलियम बेंटिंक

- पाश्चिमी शिक्षा
- पाश्चिमी विचार
- पाश्चिमी संस्थाएँ

समाज को सुधारने का प्रयास

+ राजाओं का निष्कासन

लोग - "हम जिसको पवित्र मानते हैं, वो ही खत्म कर देते हैं अंग्रेज ॥

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लोग अफवाहों में विश्वास क्यों कर रहे थे ?

अफवाह तभी फैलती है जब उसमें लोगों के जहन में गहरे दबे डर और संदेह की गूंज सुनायी देती है।

लोगों के पास अफवाहों पर विश्वास करने का आधार था :-

1. 1813 इस्वी में ईसाई मिशनरियों को भारत में ईसाई धर्म का प्रचार करने की खुली छूट दे दी गयी।
2. 1856 ई. में लॉर्ड कैनिंग के द्वारा लागू ''सामान्य सेना भर्ती अधिनियम''।
3. लॉर्ड डलहौजी द्वारा लागू ''धार्मिक निर्योग्यता अधिनियम 1850'' – ईसाई धर्म ग्रहण करने वाले व्यक्ति को पैतृक सम्पत्ति में अधिकार दिया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. 1829 – सती प्रथा को खत्म किया गया – लॉर्ड विलियम बैंटिक के द्वारा।
5. 1856 – विधवा विवाह को मान्यता दी गयी।
6. लॉर्ड डलहौजी की राज्य हड़प नीति।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अवध मे विद्रोह

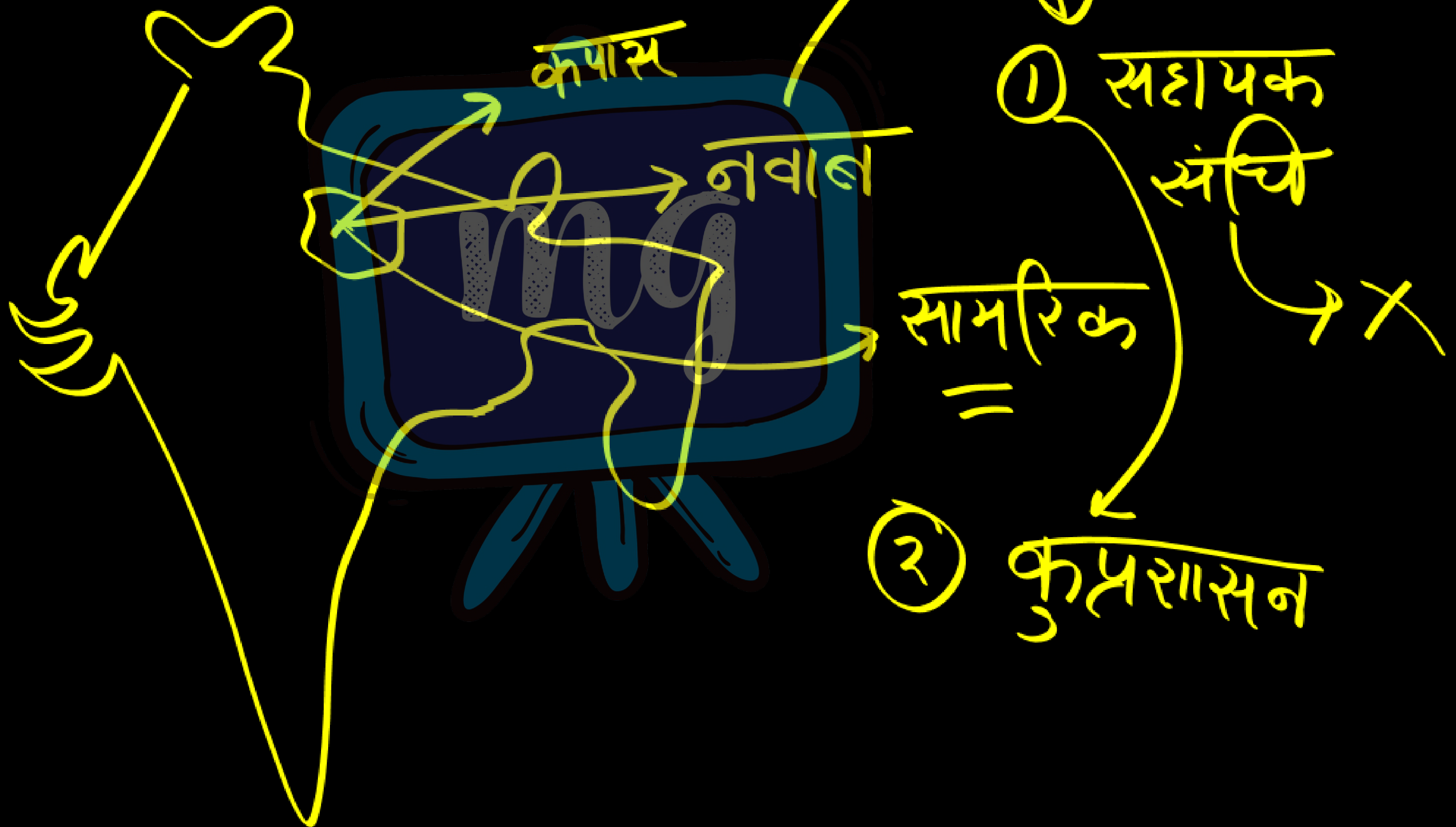

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सैनिक → अवध → पौधशाला

परिवार

✓ सेना

किसान ✓

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नवाब → हटा ✓

× नवाब

↓

सामाजिक राज.

× ताल्लुकदार

↓

किसान

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सैनिक असंतोष

वेतन

घर ×

डाक ×

विदेश

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2.

Pg 266

अवध मे विद्रोह

1801- सहयक संधि

नवाब कमज़ोर पड़ने लग गया

अवध का अधिग्रहण

अवध क्यो ?

1) कमजोर नवाब
2) बज़ार
3) नील - कपास खेती

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सहायक संधि → नवाब →

अवध की कहानी –

- 1801 ई. में लॉर्ड वेलेजली के द्वारा अवध के नवाब से सहायक संधि की गयी।

संधि की शर्तें :–

1. नवाब अपनी सेना खत्म कर दें।
2. रियासत में अंग्रेज टुकड़ियों की तैनाती की इजाजत दे।
3. राज दरबार में एक ब्रिटिश रेजीडेंट की नियुक्ति की जाये और नवाब उसी की सलाह पर काम करें।

- नवाब सैनिक ताकत से वंचित हो जाने के बाद दिनोंदिन अंग्रेजों पर निर्भर होते गये।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अवध सम्पन्न रियासत थी।
- लॉर्ड डलहौजी : "ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुंह में आकर गिरेगा।"
- 1856 में लॉर्ड डलहौजी के द्वारा अवध का अधिग्रहण कर लिया गया।
- नवाब : वाजिद अलीशाह पर कुशासन का आरोप लगाया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अवध नवाब ✓ × → तालुकदार सत्ता छिन गई

कैसे?
- इनकी सेनाएं भंग
- ब्रिटिश भूराजस्व नीति लागू

नतीजा → सामाजिक व्यवस्था भंग → किसान दुखी → फौजी बैरकों

(अवध से सबसे ज्यादा सैनिक)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सैनिक मे असंतोष

1. कम वेतन ✓
2. वक्त पर छुट्टी नहीं मिलना
3. अंग्रेजी अफसरो मे श्रेष्ठता का भाव - नस्ल भेद
4. गाली गलौच ✓
5. मार पीट ✓

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

"फिरंगी राज का आना और एक दुनिया का खात्मा"

अवध के नवाब

↓

ताल्लुकदार / जागीरदार – जागीरें थी।

↓

किसान / रैयत

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- अंग्रेजों से पहले ताल्लुकदार ही जनता का उत्पीड़न करते थे लेकिन वे बुरे वक्त में किसानों की मदद भी करते थे।
- अंग्रेजों ने इस दुनिया का खत्मा कर दिया।
- ताल्लुकदारों की सत्ता को उखाड़ फेंका।

नई व्यवस्था : अब इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि कठिन वक्त में या फसल खराब हो जाने पर सरकार राजस्व की मांग में कोई कमी करेगी या वसूली को कुछ समय के लिए टाल दिया जायेगा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अवध के ताल्लुकदारों और किसानों के मन में इस नई व्यवस्था के प्रति बहुत रोष था।
- इसलिए इन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में बहुत बढ़ चढ़ कर भाग लिया।
- बंगाल की ब्रिटिश भारतीय सेना में सर्वाधिक सैनिक अवध के ही थे।
- अवध को तो "बंगाल आर्मी की पौधशाला" कहा जाता था।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q. अवध मे विद्रोह क्यों हुआ?

1856 → नवाब ×

↓

तालुकदार ×

सेना ×

भूराजस्व

→ सत्ता ?

→ किसान ×

↓

सैनिक ×

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्र. अग्रेज़ो के लिए अवध महत्वपूर्ण क्यों था?

प्र. अवध का अधिग्रहण किस प्रकार हुआ?

प्र. अवध के किसानों की परेशानी से सैनिक क्यों प्रभावित हुए?

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q. अवध के अधिग्रहण से ताल्लुकदारों की सत्ता कैसे छिन गई ?

Q. सैनिकों मे अंसतोष क्यों था ?

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विद्रोही
- पुराने राजा / नवाब → राज्य
- सैनिक → वेतन
- जमींदार → राजस्व ↑
- मध्यम वर्ग + गरीब → आर्थिक
- किसान → राजस्व ↓

→ अंग्रेजों का खात्मा

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विद्रोही क्या चाहते थे?

1. एकता की कल्पना

- हिन्दु + मुस्लिम
- दोनों का नफा नुकसान बराबर है।
- बहादुर शाह - घोषणा
- मुहम्मद और महावीर
- अंग्रेजों की कोशिश बरकरार

घोषणा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. उत्पीडन के प्रतीकों के खिलाफ

- समझौते और कर्जे की निंदा
- भारतीय व्यापार को तबाह कर दिया
- जाति - धर्म को नष्ट करना चाहते हैं।

सूदखोरों के बही खाते जले दिये।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. वैकल्पिक सत्ता की तलाश।

EIC से पहले • दिल्ली, लखनऊ, कानपुर = सत्ता स्थापित प्रयास

→ पुरानी दरबारी संस्कृति

→ भूराजस्व - वेतन की व्यवस्था।

→ विभिन्न पदों पर नियुक्तियाँ।

→ सेना की कमान शृंखला तय की गई।

अवध मे प्रतिरोध सबसे लंबे समय तक चला।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विद्रोही क्या चाहते थे ?

विद्रोहियों के नजरिये को समझने के लिए हमारे पास उनके द्वारा जारी घोषणाओं व इश्तहारों के सिवा कुछ ज्यादा चीजें नहीं है।

इसलिए, मजबूरन हमें अंग्रेजों के दस्तावेजों पर निर्भर रहना पड़ता है।

1. एकता की कल्पना : इस विद्रोह को एक ऐसे युद्ध के रूप में पेश किया जा रहा था जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों, दोनों का नफा नुकसान बराबर है। हिन्दू और मुस्लमान दोनों को लड़ाई में शामिल होने के लिए आह्वान किया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. उत्पीड़न के प्रतीकों के खिलाफ : ब्रिटिश राज से संबंधित हर चीज का विरोध किया जा रहा था।

- फिरंगियों पर स्थापित और सुंदर जीवन शैली को नष्ट करने का आरोप लगाया जाता था।
- विद्रोही अपनी उस दुनिया को दोबारा बहाल करना चाहते थे।

3. वैकल्पिक सत्ता की तलाश : विद्रोही नेता अठारहवीं सदी की पूर्व – ब्रिटिश दुनिया को पुनर्स्थापित करना चाहते थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q. अंग्रेजो द्वारा 1801 मे अवध पर लगाए सहायक संधि के प्रावधानों की व्याख्या करें (2012)

असंतोष

Q. "1857 के विद्रोह से पहले के वर्षों मे वरिष्ठ श्वेत अधिकारियों के साथ सिपाहियों के साथ संबंधो में महत्वपूर्ण परिवर्तन आये" उदाहरण सहित कथन का समर्थन करें। (2012)

Q. 1857 मे विद्रोहियों ने एकता के अपने दृष्टिकोण को किस प्रकार साकार करने की कोशिश करी ? (2010)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q. 1857 की अफवाहें 1820 के दशक के अंत से अंग्रेजो द्वारा अपनाई गई नीतियों के संदर्भ मे देखने पर समझ मे आने लगी?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दमन

- इस विद्रोह को कुचलना अंग्रेजों के लिए आसान नहीं था।
- ब्रिटेन से सैनिक टुकड़ियां मंगवाई गयी।
- विद्रोह का दमन करने के लिए अंग्रेजों ने सैनिक ताकत का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया।
- समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया।
- कानून और मुकदमों की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गयी थी – विद्रोही की केवल एक ही सजा हो सकती थी। सजा – ए –मौत।
- सितम्बर 1857 में दिल्ली पर अंग्रेजों ने वापस कब्जा जमा लिया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विद्रोह की छवियां

- विद्रोह की छवि क्या थी, इस बारे में जानने के लिए हमारे पास बहुत कम दस्तावेज मौजूद हैं। केवल विद्रोहियों की कुछ घोषणाएें, अधिसूचनाऐं तथा नेताओं के कुछ पत्र हैं।
- इस बारे में सरकारी ब्यौरो की कमी नहीं है, लेकिन ये औपनिवेशिक सरकार द्वारा लिखे गये ब्यौरे हैं।
- इस विद्रोह के बारे में कई चित्र, पोस्टर, कार्टून उपलब्ध हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. **रक्षकों का अभिनंदन :** अंग्रेजों द्वारा बनायी गयी कुछ तस्वीरों में अंग्रेजों को बचाने और विद्रोहियों को कुचलने वाले अंग्रेज नायकों का गुणगान किया गया है।

"द रिलीफ़ ऑफ़ लखनऊ" चित्रकार टॉमस जोन्स बार्कर, 1859

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- चित्र में लखनऊ में विद्राहियों के दमन के बाद का दृश्य दिखाया गया है।
- लखनऊ का रेजीडेंट हेनरी लॉरेंस मारा गया।
- दमन – सितम्बर में आउट्रम और हेनरी हेवलॉक।
- कमाण्डर कॉलिन कैम्पबेल।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंग्रेज औरतें तथा ब्रिटेन की प्रतिष्ठा :-

"इन मेमोरियम", चित्रकार जोज़ेफ नोएल पेटन, 1859

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. **दमन**

- उत्तर भारत को शांत करने के लिए कानून
  → मार्शल लॉ
- सामान्य अंग्रेज़ को अधिकार मिल गए = हिन्दुस्तानियों पर मुकदमा
  ↓
  सज़ा ए मौत

- कानून + नई टुकड़ी
  ↓
  विद्रोह को कुचलना शुरु
- सबसे पहले
  (1) दिल्ली
  क्यों : सांकेतिक महत्व

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पंजाब → दिल्ली ← कलकत्ता

② गंगा जमुना दोआब

- गाँव दर गाँव
- अंग्रेज़ अधिकारी - अनुमान
  3/4 वयस्क पुरुष
  क्रांतिकारी बन
- 1858 - नियंत्रण

mg

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ज़मींदार को कैसे लुभाया ?

ज़मींदार

साथ
- जागीरें लौटाई
- ईनाम

विद्रोह
- सज़ा
- नेपाल भाग गये